नवभारत

भोपाल, सोमवार 23 मार्च, 2026

एक नजर में

बादल छंटते ही चढ़ा पारा फसलों पर संकट टला

गुना। जिले में पिछले कुछ दिनों से बने उतार-चढ़ाव के बाद अब मौसम साफ होने लगा है। रविवार को शहर के आसमान से बादलों के विदा होते ही धूप खिली, जिससे तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। मौसम के इस बदलते मिजाज और खुलते आसमान को देखकर अन्नदाताओं ने राहत की सांस ली है।

मौसम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, रविवार को गुना का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है, जो शनिवार (30 डिग्री) के मुकाबले 3 डिग्री अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोत्तरी देखी गई है; शनिवार को जहाँ न्यूनतम पारा 15 डिग्री के आसपास था, वहीं रविवार को यह 16.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बादलों के छंटने के कारण अब दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी आंशिक वृद्धि होने की संभावना है।

आसमान साफ होना किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। वर्तमान में जिले के अधिकांश खेतों में फसलें या तो पूरी तरह पक चुकी हैं या फिर कटाई का काम तेजी से चल रहा है। पिछले दिनों बादलों और बेमौसम बारिश की आशंका के कारण किसान अपनी मेहनत की कमाई (उपज) को लेकर बेहद चिंतित थे। अब मौसम खुलने से फसलों के खराब होने का डर कम हो गया है और कटाई के काम में तेजी आएगी।

हालांकि मौसम अब खुलता नजर आ रहा है, लेकिन मौसम विभाग ने एहतियात के तौर पर 23 मार्च तक सतर्क रहने की सलाह दी थी। किसानों की फसलों पर मंडरा रहे संकट के बादल भी छंट जाएंगे। यदि आगामी दिनों में धूप इसी तरह तेज रहती है, तो फसलों की मड़ाई और भंडारण का काम जल्द ही सुव्यवस्थित तरीके से पूरा हो सकेगा।

नानाखेड़ी मंडी हाउसफुल, दशहरा मैदान पर भयंकर अव्यवस्था

पानी ऐसा कि चाय बन जाए, ट्रॉली के ऊपर से गुजर रहे करंट के तार

नवभारत न्यूज

गुना 22 मार्च का। जिला मुख्यालय स्थित नानाखेड़ी कृषि उपज मंडी में इन दिनों गेहूं की बंपर आवक ने प्रशासन के दावों की पोल खोलकर रख दी है। मंडी की क्षमता से कई गुना अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पहुँचने के कारण स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। आलम यह है कि मंडी परिसर में तिल रखने की जगह नहीं बची है, जिसके चलते प्रशासन ने आनन-फानन में एक हजार से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को दशहरा मैदान में खड़ा करवा दिया है।

लेकिन, यह मैदान अब किसानों के लिए किसी यातना शिविर से कम साबित नहीं हो रहा है। भीषण गर्मी, मूलभूत सुविधाओं का अभाव और प्रशासनिक अनदेखी के बीच जिले का अन्नदाता आक्रोशित है। मार्च के महीने में ही सूर्यदेव के तीखे तेवर किसानों की परीक्षा ले रहे हैं। खुले आसमान के नीचे तपती दोपहर में एक-एक घंटा बिताना किसानों के लिए दूभर हो रहा है।

मैदान में रुके किसानों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यहाँ पीने के पानी का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है। कहने को प्रशासन ने पानी के टैंकर खड़े किए हैं, लेकिन सीधी धूप में खड़े रहने के कारण टैंकरों का पानी इस कदर गर्म हो चुका है कि उसे पीना तो दूर, हाथ लगाना भी मुश्किल है। अव्यवस्थाओं से झुंझलाए किसानों ने कड़वे व्यंग्य के साथ अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, साहब!

टैंकरों का पानी इतना गर्म है कि इसमें बस चायपत्ती और शक्कर डालने की देर है, चाय अपने आप तैयार हो जाएगी। क्या प्रशासन चाहता है कि हम इस उबलते पानी से अपनी प्यास बुझाएं?

हाई वोल्टेज लाइनों के नीचे मौत का साया

परेशानी सिर्फ धूप और पानी तक सीमित नहीं है, यहाँ सुरक्षा के मानकों की घोर अनदेखी की गई है। दशहरा मैदान के ऊपर से निकली 33 केवी (ङ्श) हाई वोल्टेज बिजली की लाइनों के ठीक नीचे सैकड़ों ट्रॉलियां खड़ी करवाई गई हैं। रात के सन्नाटे में इन तारों से होने वाली स्पार्किंग और उससे निकलने वाली चिंगारियां किसानों के मन में दहशत पैदा कर रही हैं। सूखी फसल (गेहूं) से भरी ट्रॉलियों के ऊपर इन हाई टेंशन तारों का होना किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण दे रहा है। यदि कोई छोटी सी चिंगारी भी ट्रॉली पर गिरी, तो यहाँ भीषण अग्निकांड और बड़ी जनहानि हो सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस खतरे से आँखें मूंदे बैठे हैं।

प्रशासनिक संवेदनशीलता पर उठते सवाल

हर साल गेहूं की बंपर आवक का अनुमान होने के बावजूद, प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में दशहरा मैदान को समय रहते तैयार क्यों नहीं किया? छाया के लिए टेंट, ठंडे पानी के लिए प्याऊ और बिजली के तारों से सुरक्षा जैसे बुनियादी इंतजाम न होना जिले के संवेदनशील प्रशासन पर बड़े सवालिया निशान खड़े करता है। किसानों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि अगले 24 घंटों के भीतर दशहरा मैदान में छाया, ठंडे पानी के टैंकर और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो वे उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे। फिलहाल, हजारों किसान अपनी उपज बेचने की बारी का इंतजार करते हुए भगवान और लापरवाह प्रशासन के भरोसे रातें काट रहे हैं।

आवारा मवेशियों और गंदगी का अंबार

मैदान में सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर भी सिफर (शून्य) ही नजर आता है। रात भर जागकर अपनी उपज की रखवाली करने वाले किसानों के लिए आवारा मवेशी नई मुसीबत बन गए हैं। ये मवेशी न केवल किसानों को परेशान कर रहे हैं, बल्कि ट्रॉलियों पर ढकी हुई कीमती पॉलीथिन को भी फाड़ रहे हैं। किसानों को डर है कि यदि मवेशियों ने उनकी उपज को नुकसान पहुँचाया या फसल जमीन पर बिखर गई, तो उनकी महीनों की मेहनत मिट्टी में मिल जाएगी। इसके अलावा, मैदान में सफाई व्यवस्था न होने से चारों तरफ गंदगी का अंबार लगा है, जिससे बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

स्वर्णकार समाज ने निकाला भव्य गणगौर चल समारोह

गुना। मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज महिला मंडल द्वारा गणगौर पर्व के समापन के अवसर पर नगर में एक भव्य एवं उत्साहपूर्ण चल समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा नगर भक्ति और शक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विशेष वेशभूषा और पारंपरिक गीतों के साथ निकाली गई इस शोभायात्रा का समाजजनों ने जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया। जुलूस का प्रारंभ स्थानीय मंदिर घाट से हुआ। चल समारोह में शिव-पार्वती (ईसर-गौरा) के मनमोहक स्वरूपों में सजी महिलाएं आकर्षण का केंद्र रहीं। उत्साह और उमंग से लबरेज महिलाएं लोक गीतों पर नृत्य करते हुए चल रही थीं। सभी प्रतिभागी महिलाएं पारंपरिक लाल चुनरी में एकरूपता का परिचय दे रही थीं, जिससे पूरा चल समारोह केसरिया और लाल आभा से दीप्तिमान हो उठा। मंदिर घाट से शुरू होकर यह जुलूस अस्पताल चौराहा, नई सड़क, पंडा जी चौराहा, सराफा बाजार और सदर बाजार जैसे नगर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों से होता हुआ पुनः मंदिर घाट पहुँचा, जहाँ विधि-विधान के साथ समारोह का समापन हुआ। पूरे मार्ग में समाज के विभिन्न वर्गों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का अभिनंदन किया। इस भव्य आयोजन में महिला मंडल की संरक्षक श्रीमती संतोष सोनी, जिला अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा सोनी, दलारी सोनी, गायत्री सोनी, नगर अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सोनी, मीरा सोनी, संध्या सोनी, सुनीता सोनी (राजेश), अंजुला सोनी, गायत्री सोनी (बनवारी जी), अरुणा सोनी, अल्पना सोनी, शेल कुमारी, कविता सोनी, मीडिया प्रभारी रेखा (सतीश) सोनी, मंजु सोनी, राम सुखी, रीना सहित महिला मंडल, युवती मंडल की सदस्य एवं समाज की बड़ी संख्या में महिलाएं सम्मिलित हुईं।

गुना की बेटी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने संभाली सवाई माधोपुर की कमान

गुना/सवाई माधोपुर। गुना जिले की माटी में जन्मी और पली-बढ़ी 2018 बैच की तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने शनिवार को राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया है। अपनी कार्यकुशलता और सेवा भाव के लिए पहचानी जाने वाली ज्येष्ठा मैत्रेयी की इस उपलब्धि से उनके गृह जिले गुना में भी हर्ष का माहौल है।

गुना जिले में जन्मी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने अपने जीवन में अनुशासन और कड़ी मेहनत को ही अपनी सफलता का आधार बनाया। मात्र एक ही प्रयास में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर आईपीएस बनने वाली ज्येष्ठा आज देशभर के युवाओं, विशेषकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बन चुकी हैं। वे दिल्ली सहित देश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर सिविल सेवा के अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन भी करती रही हैं। उनके व्याख्यान न केवल परीक्षा की बारीकियों पर होते हैं, बल्कि वे जीवन मूल्यों और आत्मविश्वास का भी संदेश देती हैं। सवाई माधोपुर एसपी कार्यालय पहुँचने पर ज्येष्ठा मैत्रेयी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पदभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताएं ही जिले की प्राथमिकता रहेंगी। टाइगर सफारी और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध इस जिले में आमजन और पर्यटकों की सुरक्षा, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के साथ-साथ नवीन आपराधिक कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन उनका मुख्य फोकस रहेगा।

वर्दी में सख्ती और व्यक्तित्व में संवेदना

सीआईडी सीबी से स्थानांतरित होकर आईं ज्येष्ठा मैत्रेयी की पहचान एक सख्त लेकिन संवेदनशील अधिकारी की है। साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ वे गरीब और जरूरतमंदों की मदद के लिए भी जानी जाती हैं।

उन्होंने अपनी मंशा जाहिर की है कि वे जिले में भी युवाओं और विशेषकर बालिकाओं को करियर मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करेंगी। गुना की इस बेटी की सफलता आज उन सभी छोटे शहरों के युवाओं के लिए एक मिसाल है जो बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने का हौसला रखते हैं।

म्याना में मजदूरों से भरा लोडिंग वाहन पलटा, 15 घायल

गुना। म्याना थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें मजदूरों से भरा एक लोडिंग वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में वाहन में सवार करीब 15 मजदूर घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह लगभग 10 बजे की है। सिंहपुर पंचायत के ग्राम हरिपुर से लगभग 25 मजदूर एक लोडिंग वाहन में सवार होकर मजदूरी के लिए पूनमखेड़ी जा रहे थे। रास्ते में अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया और मजदूरों से लदा वाहन सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत वाहन से बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस की मदद से म्याना अस्पताल पहुँचाया गया। अस्पताल में सभी घायलों का

2 मजदूरों की हालत गंभीर, गुना में भर्ती कराया गया

प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार, घायल हुए 15 मजदूरों में से दो व्यक्तियों की स्थिति नाजुक बनी हुई थी, जिसके चलते उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गुना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। गनीमत यह रही कि इस भीषण हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि लोडिंग वाहन में क्षमता से अधिक 25 मजदूर लोग थे, जो संभवत- दुर्घटना का कारण बना। फिलहाल म्याना थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुनिया नदी मार्ग से हटेगा अतिक्रमण, 5 किमी पैदल चल जाना जमीनी हाल

गुना। जिले में जल संरक्षण को मजबूत करने और वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने सिंगवासा तालाब एवं गुनिया नदी मार्ग का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सिंगवासा तालाब के गहरीकरण और चौड़ीकरण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। 5.2 किमी का पैदल भ्रमण निरीक्षण की शुरूआत सिंगवासा स्थित स्मृति वन के गोकुल कुंड से हुई। यहाँ से कलेक्टर ने लगभग 5.2 किलोमीटर लंबी गुनिया नदी के प्रवाह मार्ग का पैदल भ्रमण कर विभिन्न स्थलों का सूक्ष्म अवलोकन किया। इस दौरान नदी के बहाव, मार्ग में आने वाले अवरोधों और जल निकासी व्यवस्था का गहन परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक खास दृश्य भी सामने आया, जब कक्षा पांचवीं की एक बालिका पूरे मार्ग में टीम के साथ उत्साहपूर्वक शामिल रही और नदी की स्थिति को समझने का प्रयास करती रही। जनसंवाद और तकनीकी परीक्षण भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने नदी किनारे स्थित कुओं और अन्य जल स्रोतों को देखा तथा आसपास के रहवासियों से चर्चा कर उनके सुझाव लिए। तकनीकी दल ने जानकारी दी कि जलकुंभी और अवांछित वनस्पतियों को हटाने के लिए विशेष रसायनों का उपयोग किया जाता है, जिसके लिए बाहरी एजेंसियों की सेवाएं ली जाती हैं। टीम ने उन मकानों और भवनों को भी चिन्हित किया जो हाई फ्लड लेवल क्षेत्र में स्थित हैं और भविष्य में जलभराव का कारण बन सकते हैं।

पिता को जन्म से पहले खोया, अब बेटा जिंदगी और मौत के बीच

नवभारत न्यूज

गुना। नवरात्रि के पावन पर्व पर जहां हर ओर आस्था का उल्लास है, वहीं अशोकनगर जिले के शाढ़ौरा निवासी एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शाढ़ौरा से गुना जिले के बजरंगगढ़ स्थित प्रसिद्ध बीस भुजा देवी मंदिर में दर्शन करने आए 10 वर्षीय बालक आशुतोष शर्मा एक दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। बीस भुजा देवी मंदिर प्रांगण में लगे मिकी माउस जंपिंग झूले के अचानक उखड़ने से बालक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, शाढ़ौरा निवासी संगीता शर्मा अपने 10 वर्षीय बेटे आशुतोष के साथ माता के दर्शन करने बजरंगगढ़ आई थीं। आशुतोष की जिद पर मां उसे मेले में ले गई थी। सुबह करीब 11-30 बजे जब आशुतोष मिकी माउस झूले पर उछल रहा था, तभी तेज हवा के कारण झूला नीचे से उखड़ गया। इस हादसे में आशुतोष सीधे जमीन पर आ गिरा और उसे गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद एक युवक ने तत्परता दिखाते हुए उसे अपनी कार से जिला अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे भोपाल रेफर कर दिया है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को इसलिए भी झकझोर दिया है क्योंकि आशुतोष अपनी माँ की आखिरी उम्मीद और बुढ़ापे का एकमात्र सहारा है। नियति की क्रूरता देखिए कि आशुतोष के जन्म से ठीक एक दिन पहले उसके पिता नरेंद्र शर्मा का निधन हो गया था। वह बिजली विभाग में कार्यरत थे। संगीता ने 45 वर्ष की आयु में जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था, लेकिन प्रसव के दौरान ही उनकी बेटी की भी मौत हो गई थी। पिता और बहन को खोने के बाद संगीता ने बड़े लाड़-प्यार से अपने इकलौते बेटे आशुतोष को पाला था।

आज वही बेटा अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है। शाढ़ौरा और बजरंगगढ़ के स्थानीय निवासी और जो भी इस मार्मिक पृष्ठभूमि को सुन रहा है, उसकी आँखें नम हैं। फिलहाल, समूचा क्षेत्र आशुतोष के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है।

स्वास्थ्य गुना के 6 मासूमों को मिलेगा नया जीवन, होगी नि:शुल्क हृदय सर्जरी

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना मासूम बच्चों को वरदान

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के छह मासूम बच्चों के लिए रविवार का दिन नई उम्मीदें लेकर आया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हृदय रोग से ग्रसित इन बच्चों को अब उन्नत और निःशुल्क उपचार के माध्यम से जीवनदान मिलेगा। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में प्रशासन ने इन बच्चों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में यह बड़ी पहल की है।

जानकारी के अनुसार, संदिग्ध हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को अरविंदो मेडिकल कॉलेज के सहयोग से बस द्वारा शिवपुरी रोटरी कैंप ले जाया गया। वहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सभी बच्चों की इको (एउलृड) जांच की। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक विनीता सोनी ने बताया कि जांच के दौरान 2 बच्चे पूर्णत- सामान्य पाए गए, जबकि 8 बच्चों को दवाइयों (मेडिकल मैनेजमेंट) पर रखा गया है। एक बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मुंबई के हायर सेंटर रेफर किया गया है। जांच में 6 बच्चों के हृदय में शल्य चिकित्सा (सर्जरी) की अनिवार्य आवश्यकता पाई गई। इन सभी बच्चों का ऑपरेशन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्णतः निःशुल्क कराया जाएगा। प्रशासन ने इसके लिए आवश्यक कागजी कार्रवाई और प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं।

जल्द ही इन बच्चों को सर्जरी के लिए अरविंदो मेडिकल कॉलेज भेजा जाएगा।

संवेदनशील प्रशासन की सुखद पहल

कैंप के दौरान बच्चों और उनके परिजनों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए जिले से ऊएकउ के ऑडियोलॉजिस्ट दीपचंद सैनी और अनुष्का फाउंडेशन के प्रतिनिधि मुरारी दांगी को विशेष सहयोग के लिए साथ भेजा गया। समय पर बच्चों का चिन्हांकन और त्वरित उपचार उपलब्ध कराना जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता को दर्शाता है। यह पहल न केवल बच्चों को नया जीवन देने का कार्य है, बल्कि सशक्त स्वास्थ्य तंत्र और सामाजिक दायित्व का एक अनुकरणीय उदाहरण भी है।

ईदगाह बाडी पहुंच कांग्रेसजनों ने दी मीठी ईद की मुबारकबाद

नवभारत न्यूज

गुना। जिला कांग्रेस कमेटी गुना के तत्वावधान में ईदगाह बाड़ी पहुंचकर कांग्रेस जनों ने मुबारकबाद दी। जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस कमेटी गुना के पूर्व प्रदेश महामंत्री हरिशंकर विजयवर्गीय, नगर कांग्रेस शहर गुना के अध्यक्ष रजनीश शर्मा,शेखर वरिष्ठ प्रतिपक्ष नेता, पंकज कनेरिया, आशिष छोटू शिमला,रणवीर सिंह कुशवाह ब्लॉक अध्यक्ष गुना, आलोक नायक,प्रकाश सिंह धाकड़,दीपेश पाटनी, नरेंद्र कुशवाह पार्षद, राजू जाटव पार्षद, प्रशांत शर्मा, राजेश शिवहरे, भगवान सिंह अहिरवार, नरेंद्र सोनवार, कन्हैया लाल अहिरवार, मनीष रजक,असीम भटनागर, शिवप्रताप बना, बृजलाल जाटव ठेकेदार, रामस्वरूप जाटव, राजेश कुशवाह,देवी सिंह चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

म्याना में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद

गुना। म्याना में शनिवार को ईद-उल-फितर का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। मढ़ीमाता मार्ग स्थित ईदगाह पर सुबह से ही जश्न का माहौल नजर आया, जहाँ मुस्लिम समाज के लोगों ने सामूहिक नमाज अदा कर देश और क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं अमन-चैन के लिए दुआएं मांगी। सुबह 8 बजे निर्धारित समय पर बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई सज-धज कर ईदगाह पहुंचे। यहाँ मौलाना साहब ने विशेष नमाज अदा कराई और खुतबा पढ़ा। इस दौरान उन्होंने ईद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रमजान के पवित्र माह के कठिन रोजों और इबादत के बाद, शव्वाल महीने की शुरूआत अल्लाह के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। नमाज संपन्न होने के बाद पूरी ईदगाह ईद मुबारक के नारों से गूंज उठी।